आकाशवाणी

देहरादून (उत्तराखण्ड)

रविवार 29.09.2024 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में लोगों से स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण और पौधारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।
- श्री मोदी ने उत्तरकाशी जिले के झाला गांव के युवाओं की स्वच्छता के लिए विशेष पहल–धन्यवाद प्रकृति की सराहना की।
- राज्यपाल ने 'पारिवारिक चिकित्सा और प्राथमिक देखभाल' को स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला बताया।
- प्रदेश में तीन हजार नौ सौ समूहों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मन की बात 01

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि मेक इन इंडिया पहल के कारण भारत विनिर्माण शक्ति केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से निर्धन और मध्य वर्ग तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बहुत फायदा हुआ है। आकाशवाणी से आज मन की बात कार्यक्रम की 114वीं कडी में प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया पहल की सफलता उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने लोगों से आने वाले त्यौहारों के दौरान देश में बने उत्पाद खरीदने का भी आग्रह किया। रोजगार में बदलावों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नये सेक्टर के उभरने के साथ–साथ रोजगार की प्रकृति भी बदल रही है। श्री मोदी ने क्रियेट इन इंडिया थीम की 25 चुनौतियों के बारे में बताया। इस वर्ष दो अक्तूबर को दस वर्ष पूरा कर रहे स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह इस मिशन की ही सफलता है कि **कचरे से कंचन** का मंत्र लोगों में लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब लोगों ने रिडयूस, रियूज और रिसाइकिल की बात करनी शुरू कर दी है। उन्होंने इस मिशन को जन अभियान बनाने वाले लोगों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी जिले के झाला गांव का जिक्र किया और यहां युवाओं द्वारा अपने गाँव को स्वच्छ रखने के लिए चलाई जा रही खास पहल 'थैंक्यू नेचर' अभियान की सराहना की।

मन की बात 02

पौधरोपण महाअभियान **एक पेड मां के नाम** में भाग लेने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे समाज को इसके आश्चर्यजनक परिणाम मिले हैं जो प्रेरणादायी हैं। मन की बात कार्यक्रम की 114वीं कडी में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कडी उनके लिए विशेष रूप से भावुक कर देने वाली है क्योंकि इसके साथ ही इस कार्यक्रम के दस वर्ष पूरे हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आकाशवाणी, दूरदर्शन और प्रसार भारती से जुडे लोगों की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से ही ये कार्यक्रम इस महत्वपूर्ण पडाव तक पहुंच सका है। त्यौहारों के मौसम का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नवरात्र से शुरू होकर अगले दो महीनों तक देश में पूजा–अर्चना, व्रत–उपवास और उत्सव–उल्लास का माहौल रहेगा। प्रधानमंत्री ने आने वाले त्यौहारों के लिए अपनी शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं।

मन की बात

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का 114वां संस्करण सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम हमेशा सबको सामाजिक सरोकारों को लेकर बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम से प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले सामाजिक संगठनों और लोगों द्वारा जनहित में किये गये अनेक कार्यों का जिक्र कर लोगों को अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वाहन किया कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने के लिए अपना योगदान दें।

पारिवारिक चिकित्सा और प्राथमिक देखभाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह 'पारिवारिक चिकित्सा और प्राथमिक देखभाल' को स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला बताया है। उन्होंने कहा कि पारिवारिक चिकित्सक, परिवार के सभी सदस्यों की स्वास्थ्य स्थिति को समझकर बेहतर इलाज प्रदान कर सकते हैं। पारिवारिक चिकित्सा केवल रोग के इलाज तक सीमित नहीं होती, बल्कि स्वस्थ जीवन शैली को भी बढ़ावा देती है। वे एम्स ऋषिकेश में पारिवारिक चिकित्सा एवं प्राथमिक देखभाल पर 6वें राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि अगर चिकित्सक, लोगों के बीच जाकर समाज और परिवार की सतत निगरानी और काउंसिलिंग करें तो शायद बीमारियां बढ़ने से पहले ही ठीक हो जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्राथमिक देखभाल को मजबूत करने से विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी।

कृशि मजबूती

राज्य में खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आर्थिकों को मज़बूत करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। परम्परागत कृषि विकास योजना के तहत समूह के आधार पर चयनित गांवों में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में यह योजना 3 हजार नौ सौ क्लस्टर में संचालित की जा रही है। इसके लिए केंद्र ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में 131 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश में पौने नौ लाख से अधिक पंजीकृत किसानों को हर साल छह हजार रुपए की धनराशि डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में दी जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में कुल 178 करोड़ की धनराशि किसानों को उपलब्ध कराई गई है।

सरकार अनुसूचित जाति और जनजाति के छोटी जोत वाले किसानों के लिए विशेष कृषि विकास कार्यक्रम चला रही है। इसके तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष में चयनित गांवों के लिए सात करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

सम्मान की सवारी

देहरादून का रायवाला मिलिट्री स्टेशन 27 सितंबर से दो अक्टूबर 2024 तक हरिद्वार और ऋषिकेश क्षेत्र में **सम्मान की सवारी** अभियान द्वारा पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से जुड़ने के एक साइकिल अभियान का आयोजन कर रहा है। इस अभियान का उद्देश्य पूर्व सैनिकों और वीर नारियों तक पहुंचना, उनके साथ सम्बधों को मजबूत करना और उनकी चिंताओं को समझना तथा उनके सामने आने वाले कठिनाइयों के समाधान के लिए सहायता प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान, रायवाला मिलिट्री स्टेशन की एक समर्पित टीम अब तक 150 से अधिक वीर नारियों और पूर्व सैनिकों से जुड़ेगी जिन्होंने वीरता और शौर्य के साथ देश की सेवा की है। ये टीम ऋषिकेश और हरिद्वार के ढालवाला, भुट्टूवाला, श्यामपुर, बीरभद्र और नेपाली फार्म गांवों का व्यक्तिगत दौरा करेगी।

स्वच्छता

पौड़ी जिले के नगर क्षेत्र पौड़ी में कुछ महिलाओं ने पुष्प वाटिका समूह बनाकर नगर में स्वच्छता ही सेवा के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए बिना किसी सहायता के सफाई अभियान चलाया हुआ है। अभियान में महिलाएं क्षेत्र में झाड़ियां काटने के बाद खाली हो रही जमीन पर फूल लगाने, जल स्रोतों की सफाई और जल स्रोत संरक्षण का काम कर रही हैं। इस पुष्प वाटिका समूह द्वारा पिछले तीन माह और पच्चीस दिन से लगातार काम किया जा रहा है। स्वच्छता अभियान का नेतृत्व कर रही बीरा भण्डारी ने बताया कि पुष्प वाटिका समूह जल स्रोतों के संरक्षण का कार्य भी इस स्वच्छता अभियान के साथ चला रही हैं।

बाईपास रास्ता

रुद्रप्रयाग स्थित श्री केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग के महत्त्वपूर्ण पड़ाव सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच वाश आउट एरिया के सामने मंदाकिनी नदी के बाएं ओर अस्थाई पैदल बाईपास रास्ता तैयार किया जाएगा। करीब डेढ़ किलोमीटर लंबाई व एक मीटर चौड़ाई वाला यह रास्ता जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण–डीडीएमए तैयार करेगा। इस मार्ग के तैयार होने से केदारनाथ धाम यात्रा संचालन में आसानी होगी।

अभियान

चमोली जिले के गोपेश्वर में बुग्यालों के संरक्षण को लेकर चलाया जा रहा आली–बेदनी बुग्याल अभियान आज संपन्न हो गया है। इस अभियान का उद्देश्य बुग्याल क्षेत्रों का संरक्षण था। अभियान के दौरान भविष्य में होने वाली नन्दादेवी राजजात यात्रा के बेहतर संचालन और बुग्याली इलाकों पर जनदबाव से होने वाले नुकसान को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया।